





RAJ KUMAR GOEL INSTITUTE OF TECHNOLOGY, (RKGIT) GHAZIABAD, UTTAR PRADESH

Institution Innovation Council (IIC 3.0) IC201810409

Employment vs. Entrepreneurship on June, 26, 2021.









RAJ KUMAR GOEL INSTITUTE OF TECHNOLOGY, GHAZIABAD Presents

A Virtual Talk Session on

Employment Vs Entrepreneurship

with

Ayushi Singh













https://meet.google.com/aih-hkbs-hxv

CERTIFICATE to all Participants

Registration Link: bit.ly/Rkgitwe



Employment vs. Entrepreneurship on June, 26, 2021

Institution Innovation Council of Raj Kumar Goel Institute of Technology, Ghaziabad under Entrepreneurship, Innovation and Incubation Department at Raj Kumar Goel Institute of Technology, Ghaziabad organized a virtual talk serieson June 26th, 2021, from 02.00pm onward titled Employment vs. Entrepreneurship". It was well-received by 239 participants of various colleges. Prof. Puneet Chandra Srivastava, (Dean EII-RKGIT) started the session with a warm welcome to all the attendees, introduced the mission and vision of EII Department established at RKGIT campus, and gave an overview of its' function & activities. He then introduced the guest speaker. The details are-

EVENT DETAILS:-KEYNOTE SPEAKER

Ms.Ayushi Singh
Digital Marketing Expert

Event Coordinator

Mr.Arvind Tiwari
Assistant Professor (ME Department)
7838047143

Speaker told that one basic question that may get ignored by many people looking to start a new career, or simply entering the job market for the first time, is whether or not they want to be an entrepreneur or an employee. In fact, most people struggle with the difference between the two because they only saw employment as the choice that was available for them. We are often encouraged to find a great job, and many of us don't think about creating our own employment by becoming a business owner. Knowing the difference between employment and business mindset is crucial to understanding which option would work better for you as an individual, and how being an employee or a business owner can suit your own personality and goals.

The technical definition of an entrepreneur is someone who "undertakes an enterprise." An entrepreneur is someone who starts a new organization – a business, or takes on an existing organization with the intent to revitalize it. Entrepreneurship most commonly manifests in the form of self-employment. One more tip to becoming a successful entrepreneur is to be properly educated. A strong educational foundation is good for any career, whether you would prefer to just be an employee or start your own business.

✓ SOME PICS OF THE EVENT-

आर.के.जी.आई.टी. में एम्पलोएमेन्ट बनाम इन्टरप्रीन्यूरशिप पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन



जन सागर टुडे संवाददाता

गाजियाबाद। आर.के.जी.आई.टी. कें इन्टरप्रीन्यूरशिप, इनोवेशन और इन्क्यूवेशन डिपार्टमेन्ट के अन्तर्गत आर.के.जी.आई.टी. वी-क्लब के द्वारा एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

इन्टरप्रीन्युरशिप को कई लोग काफी कठिन समझते है, क्योंकि उन्हें इस बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। कई लोगों का मानना होता है कि इन्टरप्रीन्युरशिप बनने के लिए काफी पैसा लगता है, लेकिन ऐसा नही है। दरअसल इन्टरप्रीन्यरशिप बनने के लिए बड़े बजट या बड़े प्रोजेक्ट पर काम करना जरूरी नहीं है, जरूरी है बेहतर आइडिया। यह बात मिस आयुषि सिंह ने कहा, जो स्वंय एक इन्टरप्रीन्योर है। उन्होने कहा कि इन्टरप्रीन्युरशिप केवल एक प्रकार का विजन है, जिसे अधिक से अधिक लोगो तक पहुँचाने में उन्हें खुशी मिलती है। मिस आयुषि सिंह ने कहा कि उधोग नौकरी से ज्यादा आसान है। अगर कोई व्यक्ति उधोग से जुडता है, उधोग को समझता है तथा उधोग को अपने जीवन का अंग बनाकर आगे चलता है तो बहुत कुछ कर सकता है। इस बेबिनार के दौरान आर.के.जी.आई.टी. के डायरेक्टर डा० डी.आर.सोमशेखर, डायरेक्टर एकडिमक डा. विकेश कुमार, डीन ई0आई0आई0 डा0 पुनीत चन्द श्रीवास्तव, आर.के.जी.आई.टी. वी-क्लब के फैक्ल्टी इन्चार्ज अरविन्द तिवारी, स्टूडेन्ट कोर्डिनेटर शगुन गर्ग, अवन्तिका शर्मा, उधव तथा 200 से अधिक संख्या में छात्र-छात्राए उपस्थित रहें।

एंट्रेप्रिन्योरशिप पर वेबिनार का आयोजन

युग करवट संवाददाता

ग । जि य । ब । द ।
आरकेजीआईटी में एम्लोएमेंट
बनाम इंटरप्रीन्यूरिशप पर एक
दिवसीय वेबिनार का आयोजन
किया गया। युवा इंटरप्रीन्योयर
आयूषि सिंह ने कहा कि
इंटरप्रीन्यूरिशप को कई लोग
काफी कठिन समझते हैं, क्योंकि
उन्हें इस बारे में पूरी जानकारी
नहीं होती है। कई लोगों का
मानना है कि इंटरप्रीन्योयर बनने
के लिए काफी पैसा लगता है
लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल,
इसके लिए बड़े बजट या बड़े



प्रोजेक्ट पर काम करना जरूरी नहीं है, जरूरी है बेहतर आइडिया। इंटरप्रीन्यूरिशप केवल एक प्रकार का विजन है। उन्होंने कहा कि उद्योग नौकरी से अधिक आसान है। अगर कोई व्यक्ति उद्योग से जुड़ता है, उद्योग को समझता है तथा उद्योग को अपने जीवन का अंग बनाकर आगे चलता है तो वह बहुत कुछ कर सकता है। वेबिनार में संस्था के डायरेक्टर डॉ.डीआर सोमशेखर, डायरेक्टर एकेडिमक डॉ.विकेश कुमार, डीन ईआईआई डॉ.पुनीत चंद श्रीवास्तव, वी क्लब के प्रभारी अरविंद तिवारी, शगुन गर्ग, अवंतिका शर्मा व उधव आदि शामिल हुए।













